

# गुरु गम का सागर तमने लाख लाख वंदन लिरिक्स



गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन,  
ऐ लाख लाख वंदन तमने,  
कोटि कोटि वंदन,  
गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन।bd।

---

अज्ञान जीवडो गुरु जी,  
चरणों में आयो,  
ज्ञान को दीपक गुरुजी,  
जलाई दीजो,  
गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन।bd।

---

लख हो चौरसी में जिवडो,  
भटकि रे आयो,  
अबकी चौरासी गुरुजी,  
छुड़ाई हो दी जो,  
गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन।bd।

---

डूबते डूबते हो गुरु जी,  
आपने बचाया,  
अब को जीवन हो गुरुजी,  
सवारी हो दिजो,  
गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन।bd।

---

इना हो सेवक की गुरुजी,  
अरज गुसाई,  
आवागमन का बंधन,  
छुड़ाई हो दिजो,  
गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन,  
ऐ लाख लाख वंदन तमने,  
कोटि कोटि वंदन,  
गुरु गम का सागर,  
तमने लाख लाख वंदन।

गायक – प्रहलाद सिंह जी टिपानिया ।  
प्रेषक – राधेश्याम खांट  
**8120141128**